

जब गावड़ी माता, जबति जब गावड़ी माता ।
सु सुपा पा हई बलासो, अही खुशदाता ।
जब गावड़ी माता...
आदि शक्ति कम अंगुश निरुजान, जवा पानत काता ।
दुःख, मोक्ष, भय, भस्त्रेय, ककार दहिदद हई हत्ती ।
जब गावड़ी माता...
धन्य रक्षिणी, प्रसन्न पालिनी, ज्ञातमातु अम्बे ।
प्रथमपुत्र, जन्मकाशी, सुखदा अम्बे ।
जब गावड़ी माता...
भूतहारिणी भूतहारिणी अम्बे, अज अनन्द राखी ।
अकिकारी, अमहरी, अर्चिवाँतल अम्बे, अविनाशी ।
जब गावड़ी माता...
कामिनेय सु चित्त अनन्दन, अज गंगा गीता ।
कामिनी को शाश्वती शक्ति, भय नाशिणी सीता ।
जब गावड़ी माता...
अ, उरु, अम्ब, अश्व, प्राणविनी, प्रणव महामयिनी ।
कण्डलिनी सहस्रकल, सुदुम्ना, रोशो भगु गमिनि ।
जब गावड़ी माता...
स्वाहा, स्वाधो, शक्ती, ब्रह्मयात्री, शक्ता, इन्द्रणी ।
जब सहस्ररु, वषणी, विषा, कमला, कणायणी ।
जब गावड़ी माता...
जन्नी इम ह, दीन, हीन, दुःख, दहिदद के देते ।
वदित कपूत, कपल कपूत, तन बालसल हे देते ।
जब गावड़ी माता...
शेड सनी करुणामयिनी, चरण शरण दीजे ।

